Monday 21 Tuesday 22 Wednesday

9 a.m.
ज़िन्दा रहना जलते रहने के बराबर है मगर
ज़िन्दगी इक आग है कुन्दन बना देती है आग!

10 a.m.
दुख है तो सिर्फ ये कि वो दुख देके खुश हुआ
वर्ना किसी भी दुख से मुझे दुख ज़रा न हो।

11 a.m.
-

12 p.m.
वो मुरव्वत से मिला है तो झुका दूँ गर्दन
मेरे दुश्मन का कोई वार न खाली जाए।

1 p.m.
-

2 p.m.
अब कोई हाथ भी न बढ़ाएगा जो गले मिलोगे तपाक से
ये नए मिजाज़ का शहर है ज़रा फ़ासले से मिला करो।

3 p.m.
-

4 p.m.
मंज़िलें दूर भी हैं मंज़िलें नज़दीक भी हैं
अपने ही पाँव में जंजीर पड़ी हो जैसे
आज दिल खोल के रोए हैं तो यूँ खुश हैं 'फ़राज'
चंद लम्हों की ये राहत भी बड़ी हो जैसे।

5 p.m.
-

6 p.m.
अज़ाब ये भी किसी और पर नहीं आया
कि एक उम्र चले और घर नहीं आया!

-

Work to be done

वो रोज़-रोज़ जो बिछड़े तो कौन याद करे
वो एक रोज़ न आए तो याद आए बहुत!

-

DECEMBER

S	M	T	W	T	F	S
•	•	1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30	31	•	•